101

301(ZF)

2020

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

ii) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है ।

खण्ड - क

1. क) बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित पत्र है

i) हिन्दी प्रदीप

ii) समालोचक

iii) हंस

iv) ब्राह्मण । 1

ख) 'अंधेर नगरी' के रचनाकार हैं

i) जयशङ्कर प्रसाद

ii) हरिकृष्ण प्रेमी

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iv) वियोगी हरि । 1

ग) 'नीड़ का निर्माण फिर' की विधा है

i) कहानी

ii) उपन्यास

iii) संस्मरण

iv) आत्मकथा । 1

घ) डॉ० सम्पूर्णानन्द द्वारा सम्पादित पत्रिका है

i) सरस्वती

ii) धर्मयुग

iii) मर्यादा

iv) हंस । 1

ङ) हिन्दी की प्रथम कहानी माना जाता है

i) नमक का दरोगा

ii) उसने कहा था

iii) अपना-अपना भाग्य

iv) इन्दुमती । 1

VERTEXAL

2. क) 'नयी कविता युग' के कवि हैं

i) भवानी प्रसाद मिश्र

ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

iii) सुमित्रानन्दन पंत

iv) रामधारी सिंह 'दिनकर' । 1

ख) छायावाद की विशेषता है

i) इतिवृत्तात्मकता

ii) श्रृंगारिक भावना

iii) सौन्दर्य एवं प्रेम

iv) उपदेशात्मक वृत्ति । 1

ग) प्रयोगवाद के प्रवर्तक हैं

i) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

iv) शिवमंगल सिंह 'सुमन' । 1

घ) 'जयचन्द्रप्रकाश' रचना है

i) चन्दवरदायी की

ii) भट्ट केदार की

iii) नरपति नाल्ह की

iv) विद्यापति की । 1

ङ) सुमित्रानन्दन पन्त की रचना है

i) यशोधरा

ii) रसकलश

iii) ग्रन्थि

iv) राम की शक्तिपूजा । 1

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

कालिदास के काव्यों में यह जिस शोभा और सौकुमार्य का भार लेकर प्रवेश करता है, वह पहले कहाँ था । उस प्रवेश में नववधू के गृह-प्रवेश की भाँति शोभा है, गरिमा है, पवित्रता है और सुकुमारता है । फिर एकाएक मुसलमानी सल्तनत की प्रतिष्ठा के साथ-ही-साथ यह

VERTEXAL

मनोहर पुष्प साहित्य के सिंहासन से चुपचाप उतार दिया गया । नाम तो लोग बाद में भी लेते थे, पर उसी प्रकार बुद्ध और विक्रमादित्य का । अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था । सुन्दरियों के आसिंजनकारी नूपुरवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) कालिदास के काव्यों में अशोक का प्रवेश किस प्रकार हुआ ?

iii) किस काल में अशोक को साहित्य के सिंहासन से उतार दिया गया ?

iv) अशोक को अपूर्व सम्मान किससे मिला ?

v) किसके मृदु आघात से अशोक फूलता था ?

अथवा

VERTEXAL

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह ऊर्जा का ही स्वरूप है । जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं । इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह किसका स्वरूप है ?

iii) महर्षि अरविंद ने अस्तित्व का हिस्सा किसको माना है ?

iv) गद्यांश के आधार पर 'तादात्म्य' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

v) कैसी इच्छा रखना शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है ?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5 × 2 = 10

कृपानिधान सुजान संभु हिय की गति जानी ।
दियौ सीस पर ठाम बाम करि कै मनमानी ।।
सकुचति ऐंचति अंग गंग सुख संग लजानी ।
जटा-जूट हिम कूट सघन बन सिमिटि समानी ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और रचयिता का नाम लिखिए ।

ii) गंगा के हृदय की बात किसने जानी ?

iii) शिव जी ने किसे स्त्री मान लिया और कहाँ स्थान दे दिया ?

iv) गंगा को किस प्रकार का अनुभव हुआ ?

v) गंगा को शिव के जटा-जूट कैसे लग रहे हैं ?

अथवा

सैकत शय्या पर दुग्ध धवल, तन्वंगी गंगा, ग्रीष्म विरल,
लेटी है श्रान्त, क्लान्त, निश्चल !
तापस बाला, गंगा निर्मल, शशिमुख से दीपित मृदु करतल,
लहरें उर कोमल कुन्तल !
गोरे अंगों पर सिहर-सिहर, लहराता तार-तरल सुन्दर
चंचल अंचल-सा नीलाम्बर !

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और रचनाकार का नाम लिखिए ।

ii) रेत की शय्या पर क्षीणकाय थकी स्त्री-सी कौन लेटी हुई है ?

iii) गंगा का स्वरूप किस प्रकार दिखलायी पड़ रहा है ?

iv) किसके शरीर पर तारों के प्रतिबिम्ब लहरा रहे हैं ?

v) श्रांत, क्लांत और निश्चल का आशय स्पष्ट कीजिए ।

5. क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय, रचनाओं तथा भाषा-शैली का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) जैनेन्द्र कुमार

iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय ।

ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय देते हुए रचनाओं तथा भाषा शैली का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5

i) जयशंकर प्रसाद

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'खून का रिश्ता' **अथवा** 'लाटी' कहानी के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 5

अथवा

कहानी के प्रमुख तत्वों के आधार पर 'ध्रुवयात्रा' **अथवा** 'बहादुर' कहानी का विवेचन कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ख) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अभिशाप' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।

च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

VERTEXAL

खण्ड - ख

8. क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवं, अखण्डत्वं, सांस्कृतिमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति ।

अथवा

युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्णभाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत् । अतः अस्य सुहृदः तं प्राडविवाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कर्तुं प्रेरितवन्तः । तदनुसारम् अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राडविवाककर्म कर्तुमारभत । विधेः प्रकृष्टज्ञानेन मधुरालापेन उदारव्यवहारेण चायं शीघ्रमेव मित्राणां न्यायाधीशानाञ्च सम्मानभाजनमभवत् ।

ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

अमी पवनविक्षिप्ता विनदन्तीव पादपाः ।
षट्पदैरनुकूजद्भिः वनेषु मदगन्धिषु ।।
सुपुष्पितांस्तु पश्यैतान् कर्णिकारान् समन्ततः ।
हाटकप्रतिसंछन्नान् नरान् पीताम्बरानिव ।

अथवा

अनाकृष्टस्य विषयैर्विद्यानां पारदृश्वनः ।
तस्य धर्मरतेरासीद् वृद्धत्वं जरसा बिना ।।
प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि ।
सा पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 2 + 2 = 4

i) भोजः कविम् किं अपृच्छत् ?

ii) कस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति ?

iii) महर्षेः दयानन्दस्य पितुः किं नाम आसीत् ?

VERTEXAL

10. क) भयानक रस **अथवा** वीर रस की परिभाषा लिखिए और उसका एक उदाहरण भी दीजिए । 1 + 1 = 2

ख) श्लेष अलंकार **अथवा** अतिशयोक्ति अलङ्कार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण भी दीजिए । 1 + 1 = 2

ग) रोला छंद **अथवा** बसन्ततिलका छन्द का लक्षण लिखते हुए उसका एक उदाहरण भी दीजिए । 1 + 1 = 2

11. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

i) भारतीय किसानों की समस्याएँ

ii) वन महोत्सव

iii) पर्यावरण संरक्षण

iv) 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई'

v) स्वास्थ्य शिक्षा से लाभ ।

12. क) i) 'उपोषति' का सन्धि-विच्छेद है

अ) उप + ओषति

ब) उपो + षति

स) उ + पोषति

द) उप + औषति । 1

ii) 'रामष्टीकते' का सन्धि-विच्छेद है

अ) रामश् + टीकते

ब) रामस् + टीकते

स) राम् + ष्टीकते

द) राम + स्टीकते । 1

iii) 'पुनारमते' का सन्धि-विच्छेद है

अ) पुना + रमते

ब) पु + नारमते

स) पुनर् + रमते

द) पुनार + मते । 1

ख) i) 'अनुदिनम्' में समास है

अ) कर्मधारय समास

ब) तत्पुरुष समास

स) बहुव्रीहि समास

द) अव्ययीभाव समास । 1

ii) 'नीलकण्ठः' में समास है

अ) द्विगु समास

ब) द्वन्द्व समास

स) बहुव्रीहि समास

द) कर्मधारय समास । 1

13. क) i) 'राज्ञे' रूप है राजन् शब्द का

अ) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

स) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

द) तृतीया विभक्ति, एकवचन । 1

ii) 'एभिः' रूप है इदम् शब्द पुलिङ्ग का

अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

ब) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

स) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन

द) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन । 1

ख) 'तिष्ठत' **अथवा** 'कुर्यात्' किस धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का रूप है ?

$\frac{1}{2}+\frac{1}{2}+\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=2$

ग) i) 'गतः' शब्द में प्रत्यय है

अ) तव्यत्

ब) अनीयर्

स) क्त्वा

द) क्त । 1

ii) 'कर्तृत्व' शब्द में प्रत्यय है

अ) मतुप्

ब) त्व

स) वतुप्

द) तल् । 1

घ) रेखांकित पदों में से किसी **एक** पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए :

1 + 1 = 2

i) <u>ग्रामं</u> समया विद्यालयः अस्ति ।

ii) <u>रामेण</u> सह सीता वनम् अगच्छत् ।

iii) <u>इन्द्राय</u> वषट् ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2 + 2 = 4

i) सड़क के दोनों ओर वृक्ष हैं ।

ii) मैं मोहन के साथ घर जाऊँगा ।

iii) श्री गणेश को नमस्कार है ।

iv) कालिदास कवियों में श्रेष्ठ हैं ।

301(ZF) – 1,60,000

VERTEXAL